

भुगतान बैंक से जुड़े मुद्दे (Payments Related To Bank – Ecology)

मामला क्या है?

भुगतान बैंकों के लिए आवेदन करने में शुरूआती उत्साह के बाद, टेक महिंद्रा, संघवी और चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट (निवेश) कंपनियों (सभा) ने अब इसमें निवेश न करने का फैसला किया है।

भुगतान बैंक क्या हैं?

• ये विशेष प्रकार के बैंक हैं जो केवल 1 लाख रुपये तक की जमा राशि किसी ग्राहक से स्वीकार कर सकते हैं, परन्तु इन्हें ऋण देने की अनुमति नहीं है। ये एटीएम या डेबिट (जमा) कार्ड (पत्रक) जारी कर सकते हैं, परन्तु क्रेडिट कार्ड नहीं।

- भुगतान बैंको का उद्देश्य भारत में वित्तीय समावेशन को और ज्यादा बढ़ाना है।
- प्रारंभिक जांच के बाद, भारतीय रिजर्व (सुरक्षित रखा) बैंक (अधिकोष) द्वारा 11 कंपनियों को भुगतान बैंकों के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी गयी थी।

लाइसेंस (अधिकार) धारकों की सूची

- रिलायंस (आसरा) इंडस्ट्रीज (उद्योग)
- आदित्य बिड़ला नूवो (आइडिया (योजना) सेल्यूलर (कोशकीय))
- एयरटेल
- वोडाफोन
- डाक विभाग
- एफआईएनओ पे टेक
- राष्ट्रीय सिक्वोरिटीज (बहुमूल्य कागज) डिपॉजिटरी (गोदाम) लिमिटेड (अधिकार)
- पेटीएम (विजय शेखर शर्मा)

लाइसेंस (आज्ञा) धारक जिन्होंने छोड़ने का फैसला किया

- टेक महिंद्रा
- दिलीप संघवी
- चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट (निवेश) एंड (और) फाइनेंस (अर्थव्यवस्था)